

**Package of Practice**

Particular	English	Hindi
<b>Crop</b>	<b>Beetroot</b>	<b>Beetroot</b>
<b>Season/Region</b>	Summer, Rabi, Kharif as per Truthful Label	ग्रीष्म, रबी, खरीफ (दूधफल लेबल के अनुसार)
<b>Land preparation</b>	Field should be well prepared free from weeds and well drainage facility. 1-2 deep ploughing, Soil should be exposed to sunlight, 3 to 4 rounds of harrows to reach fine tilt. Before final harrow, apply 8 to 10 MT well decomposed FYM/acre along with 250 gm Trichoderma for controlling soil born fungus	खेत को खरपतवारों से मुक्त और अच्छी जल निकासी की सुविधा के साथ अच्छी तरह तैयार किया जाना चाहिए। 1-2 गहरी जुताई करें, मिट्टी को धूप में खुला रखें, 3 से 4 बार हेरो चलाएँ ताकि मिट्टी अच्छी तरह से झुक जाए। अंतिम हेरो चलाने से पहले, मिट्टी में पैदा होने वाले फफूंद को नियंत्रित करने के लिए 8 से 10 मीट्रिक टन अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद/एकर के साथ 250 ग्राम ट्राइकोडर्मा डालें।
<b>Seed rate &amp; Method</b>	Seed Rate: 2.0 - 2.5 Kg per acre. Sowing: Direct in main field.	बीज दर: 2.0 - 2.5 किलोग्राम प्रति एकड़। बुवाई: मुख्य खेत में सीधे।
<b>Spacing</b>	Spacing: Row to Row and Plant to Plant - 15 - 20 x 10 cm	दूरी: पंक्ति से पंक्ति और पौधे से पौधे - 15 - 20 x 10 सेमी
<b>Harvest</b>	Full physiological mature roots starts harvesting at 75-80 days.	पूर्ण शारीरिक परिपक्व जड़ों की कटाई 75-80 दिनों में शुरू होती है।
<b>Expected Average Yield</b>	Average yield: 12-15 MT/acre (depending on season and cultural practice)	औसत उपज: 12-15 मीट्रिक टन/एकर (मौसम और कृषि पद्धति पर निर्भर)
<b>Nutrient Management</b>	Total N:P:K requirement @ 80:100:120 kg per acre.  Dose & Timing: Basal Dose: Apply 50% N and 100% P, K as basal dose during final land preparation. Top Dressing: 25% N at 30 days after sowing and 25% N at 50 days after sowing.	कुल नाइट्रोजन: फास्फोरस: पोटेशियम की आवश्यकता 80:100:120 किग्रा प्रति एकड़।  मात्रा एवं समय: आधारभूत मात्रा: अंतिम भूमि तैयारी के दौरान 50% नाइट्रोजन और 100% फास्फोरस, पोटेशियम की आधारभूत मात्रा डालें। टाप ड्रेसिंग: बुवाई के 30 दिन बाद 25% नाइट्रोजन और बुवाई के 50 दिन बाद 25% नाइट्रोजन डालें।
<b>Pest &amp; Disease management</b>	Root & Crown Rot Carbendazim 50% WP - 2g/l Drinching Copper Hydroxide 77% WP - 2g/l Drinching Leaf Blight Difenoconazole 25% EC - 1.0ml/L Mancozeb 75% WP 2.5g/L Powdery Mildew Triadimefon 25% WP - 0.3g/L Penconazole 10% EC - 0.5ml/L Nematodes Furadon 10% G - 10kg/acre Azadiractin - 400kg/acre Aphids Imidacloprid 17.8%SL - 0.5ml/L Diafenthiuron 50% WP - 1.0g/L Thiamethoxam 25% WG - 1.0g/L - 2g/l Drinching Leaf Eating Caterpillar Indoxacarb 14.5% SC 1.5ml/L Profenophos 40%+Cypermethrin 4% EC - 1.0ml/L	जड़ एवं मुकुट सड़न कार्बेन्डाज़िम 50% WP - 2 ग्राम/लीटर छिड़काव कॉपर हाइड्रॉक्साइड 77% WP - 2 ग्राम/लीटर छिड़काव पत्ती झुलसा डाइफेनोकोनाज़ोल 25% EC - 1.0 मिली/लीटर मैन्कोज़ेब 75% WP 2.5 ग्राम/लीटर पाउडरी फफूंदी ट्रायडिमेफोन 25% WP - 0.3 ग्राम/लीटर पेनकोनाज़ोल 10% EC - 0.5 मिली/लीटर सूत्रकृमिनाशक फ्युराडॉन 10% G - 10 कि.ग्रा./एकर एज़ाडायरेक्टिन - 400 कि.ग्रा./एकर एफिड्स इमिडाक्लोप्रिड 17.8%SL - 0.5 मिली/लीटर डायफेन्थियूरॉन 50% WP - 1.0 ग्राम/लीटर थियामेथोक्सम 25% WG - 1.0 ग्राम/लीटर - 2 ग्राम/लीटर ड्रिचिंग पत्ती खाने वाली इल्ली इंडोक्साकार्ब 14.5% एससी 1.5 मिली/लीटर प्रोफेनोफोस 40%+साइपरमेथ्रिन 4% ईसी - 1.0 मिली/लीटर
<b>Weed Control - Chemicals with doses and timing</b>	Timely weed removal is very important, need based hand weeding can be done to ensure healthy crop.	समय पर खरपतवार निकालना बहुत महत्वपूर्ण है, स्वस्थ फसल सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकतानुसार हाथ से निराई की जा सकती है।
<b>Irrigation Schedule</b>	Irrigation Frequency Depends upon -  A. Soil type: Light soils need more frequency. Heavy soil needs less frequency. Crop Stage: Vegetative stage: maintain adequate moisture for development of roots. Flowering & fruiting - frequent and shallow irrigation. Harvesting - gradually reduce irrigation during harvesting Growing season: Summer - requires frequent irrigation. Winter-As against summer season, in winter the irrigation frequency is longer. Rainy-very less frequency depending up on soil moisture	सिंचाई की आवृत्ति इस पर निर्भर करती है -  क. मिट्टी का प्रकार: हल्की मिट्टी में अधिक बार सिंचाई की आवश्यकता होती है। भारी मिट्टी में कम बार सिंचाई की आवश्यकता होती है। फसल अवस्था: वानस्पतिक अवस्था: जड़ों के विकास के लिए पर्याप्त नमी बनाए रखें। पुष्पन और फलन - बार-बार और उथली सिंचाई करें। कटाई - कटाई के दौरान सिंचाई धीरे-धीरे कम करें। उगने का मौसम: ग्रीष्मकाल - बार-बार सिंचाई की आवश्यकता होती है। शीतकाल - ग्रीष्मकाल की तुलना में शीतकाल में सिंचाई की आवृत्ति अधिक होती है। वर्षाकाल - मिट्टी की नमी के आधार पर बहुत कम बार सिंचाई की आवश्यकता होती है।